लापरवाही
पहली ही बारिश में दुकानों के अंदर घुसा बाजार का पानी

सड़क तो चौड़ी की पर नाली बनाना भूले जिम्मेदार

सिहोरा, नवभारत। विकास की अधूरी प्लानिंग किस तरह आम जनता और व्यापारियों के लिए जी का जंजाल बन जाती है, इसका जीता-जागता उदाहरण बस स्टैंड क्षेत्र के मुख्य बाजार में देखने को मिला। यहाँ प्रशासन ने वाहवाही लूटने के लिए सड़क चौड़ीकरण का काम तो आनन-फानन में पूरा कर दिया, लेकिन पानी की निकासी के लिए ड्रेनेज सिस्टम (नाली) बनाना ही भूल गए। नतीजा यह हुआ कि मानसून की पहली ही भारी बारिश ने प्रशासनिक दावों की पोल खोलकर रख दी। कमानिया गेट के सामने समूचा बाजार टापू में तब्दील हो गया और सड़कों पर बहने वाला बरसाती पानी अब सीधे व्यापारियों की दुकानों में तांडव मचा रहा है।

जिम्मेदारों की लापरवाही का नतीजा

बताया जाता है कि सड़क चौड़ीकरण के बाद ढलान और जल निकासी का सही आकलन न किए जाने के कारण कमानिया गेट के सामने घुटनों तक पानी जमा हो गया है। पूरे मुख्य बाजार का बरसाती पानी बहकर इसी पॉइंट पर आकर रुक रहा है। निकासी का कोई रास्ता न होने से पानी दुकानों की दहलीज पार कर अंदर रखे कीमती सामान को अपनी चपेट में ले रहा है। व्यापारियों को न सिर्फ भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है, बल्कि दुकान के भीतर से पानी उलीचने में उनकी मानसिक उलझन और परेशानी दोगुनी हो गई है।

व्यापारियों ने कहा विकास बना जी का जंजाल

इस समस्या को लेकर स्थानीय दुकानदारों का आक्रोश फूट पड़ा है। व्यापारियों का कहना है कि जब सड़क चौड़ी की जा रही थी, तब उन्हें उम्मीद थी कि बाजार की व्यवस्थाएं सुधरेंगी और जाम से मुक्ति मिलेगी। लेकिन जिम्मेदार विभाग के इंजीनियरों और अधिकारियों की घोर लापरवाही ने इस विकास को ही मुसीबत बना दिया। कमानिया गेट के पास पक्की नाली का निर्माण न करना विभाग की अदूरदर्शिता को दर्शाता है, जिसका खामियाजा अब टैक्स भरने वाले निर्दोष व्यापारियों को भुगतना पड़ रहा है।

आक्रोशित व्यापारियों ने दी चेतावनी

जलभराव की इस गंभीर समस्या से नाराज कमानिया गेट के व्यापारियों में प्रशासन के खिलाफ भारी रोष है। व्यापारियों ने चेतावनी भरे लहजे में मांग की है कि प्रशासन इस मामले को ठंडे बस्ते में डालने के बजाय तुरंत गंभीरता दिखाए। कमानिया गेट के पास तत्काल युद्ध स्तर पर पक्की नाली का निर्माण शुरू कराया जाए, ताकि आने वाले दिनों में होने वाली भारी बारिश से दुकानों को बचाया जा सके। यदि जल्द ही जल निकासी की स्थाई व्यवस्था नहीं की गई, तो व्यापारी उग्र आंदोलन और बाजार बंद करने के लिए मजबूर होंगे।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव की रणनीति पर हुई चर्चा

अधिवक्ता फोरम पनागर की बैठक संपन्न

पनागर, नवभारत। स्थानीय अधिवक्ता भवन पनागर में अधिवक्ता फोरम पनागर की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य एजेंडा आगामी जिला अधिवक्ता संघ के चुनावों को लेकर था, जिसमें चुनाव की रणनीति और विभिन्न पदों को लेकर गहन चर्चा की गई।

बैठक में फोरम के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में वकील शामिल हुए। इस दौरान जिला अधिवक्ता संघ के आगामी चुनाव में संभावित प्रत्याशियों को लेकर भी मंथन हुआ।

बैठक में मुख्य रूप से अधिवक्ता फोरम के पदाधिकारी सुरेंद्र सेन (अध्यक्ष), केके. कुशवाहा (सचिव), मनोज केशरवानी (उपाध्यक्ष), सीएम. कुशवाहा (सह सचिव), प्रदीप नामदेव (पुस्तकालय सचिव), सतीश साहू (कोषाध्यक्ष) भी उपस्थित रहे।

सचिव पद के दावेदारों की उपस्थिति बैठक की खास बात यह रही कि जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में सचिव पद के संभावित प्रत्याशी राहुल श्रीवास्तव, सपन नेमा और विद्या कुशवाहा भी इस दौरान मौजूद रहे, जिन्होंने चुनाव को लेकर अपनी सक्रियता दर्ज कराई।

इन अधिवक्ताओं की रही उपस्थिति

बैठक में फोरम की एकजुटता और आगामी चुनाव में पनागर क्षेत्र के अधिवक्ताओं की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ व युवा अधिवक्ताओं में मुख्य रूप से नीरज द्विवेदी, नारायण चौधरी, राजेश पांडे, राममिलन प्रजापति, गोविंद व्यास, सुनील तिवारी और अनिल पटेल सहित अनेक अधिवक्ता गण उपस्थित थे। बैठक के अंत में आगामी चुनाव को निष्पक्ष और मजबूत तरीके से लड़ने की रणनीति पर सभी ने अपनी सहमति जताई।

भोपाल में सिहोरा के कवि हुए सम्मानित

सिहोरा, नवभारत। शहर के लिए गर्व का विषय है कि स्थानीय कवि नारायण तिवारी एवं कवि मुकेश त्रिपाठी को भोपाल में आयोजित एक भव्य समारोह में राष्ट्रीय शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान निर्दलीय समाचार पत्र समूह सह प्रकाशन, भोपाल द्वारा गांधी भवन में आयोजित तिरेपनवें निर्दलीय वार्षिकोत्सव के अवसर पर प्रदान किया गया।

इस प्रतिष्ठित सम्मान की स्थापना चंद्रकिशोर श्रीवास्तव द्वारा की गई है। कार्यक्रम में देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे पत्रकारों, समाजसेवियों एवं साहित्यकारों को भी सम्मानित किया गया। सिहोरा की साहित्यिक संस्था 'अभिव्यक्ति सिहोरा परिवार' के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दोनों कवियों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

श्री सुखदेव विश्वकर्मा का निधन

पनागर। कटंगी मझगवां निवासी श्री सुखदेव विश्वकर्मा का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया आप संतोष, देवेंद्र, पुरुषोत्तम, शिवेंद्र के पिता जी एवं शरद, सौरभ के दादी जी थे। अंतिम संस्कार ग्राम मझगवां शमशान घाट में किया गया।

शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए

शहपुरा। एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा द्वारा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम वर्मा ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से विद्यालयों की वर्तमान स्थिति और व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। समीक्षा के दौरान एसडीएम वर्मा ने निर्देशित किया कि प्रत्येक पात्र विद्यार्थी का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए।

मझौली वन परिक्षेत्र में चौकीदारों की नियुक्तियों पर उठे सवाल

आवेदक शिवम साहू ने आरटीआई के तहत मांगी थी मझौली वन परिक्षेत्र के चौकीदारों की भर्ती और भुगतान से जुड़ी पूरी जानकारी

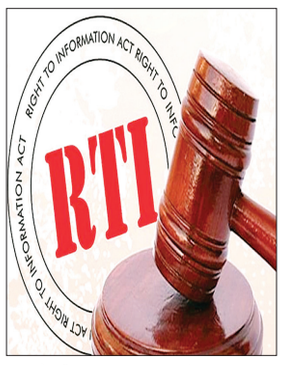

मझौली, नवभारत संवाददाता। मझौली वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाली विभिन्न बीटों में कार्यरत चौकीदारों और वन चौकी सहायकों की नियुक्ति, चयन प्रक्रिया और वित्तीय भुगतान में पारदर्शिता को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं।

क्षेत्र के सजग नागरिक और आवेदक शिवम साहू (निवासी-वार्ड क्रमांक 10, मझौली) द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत लगाई गई एक अर्जी के बाद वन विभाग के उच्च अधिकारियों में हड़कंप मच गया है।

मुख्य वन संरक्षक कार्यालय ने लिया संज्ञान

मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्यालय मध्य वृत्त वन विभाग (सीसीएफ), जबलपुर के लोक सूचना अधिकारी एवं संलग्नाधिकारी के.एल. लड़िया द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। सीसीएफ कार्यालय को दिनांक 23 जून 2026 को प्राप्त हुए आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, इसे सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 6(3) के तहत वन मण्डल अधिकारी, सामान्य वन मण्डल जबलपुर को आधिकारिक तौर पर हस्तांतरित कर दिया गया है।

क्या कहती है धारा 6(3)

इस प्रावधान के तहत यदि मांगी गई जानकारी किसी अन्य कार्यालय से संबंधित होती है, तो प्राप्तकर्ता कार्यालय को इसे 5 कार्य दिवसों के भीतर संबंधित विभाग को भेजना अनिवार्य होता है। उच्च कार्यालय ने डीएफओ जबलपुर को सख्त निर्देश दिए हैं कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर इस मामले का निराकरण कर आवेदक और उच्च कार्यालय को सूचित करें।

आरटीआई कार्यकर्ता को दी पत्र व्यवहार की सलाह

कार्यालय द्वारा जारी पृष्ठांकन क्रमांक/सामान्य/3216 के माध्यम से आवेदक शिवम साहू को भी सूचित किया गया है कि वे अब इस जानकारी की आगामी प्रगति के लिए विधि अनुसार लोक सूचना अधिकारी, सामान्य वन मण्डल जबलपुर से सीधे पत्र व्यवहार करें। अब देखना यह होगा कि सामान्य वन मण्डल जबलपुर इस संवेदनशील मामले में तय समय-सीमा के भीतर क्या जानकारी उपलब्ध कराता है। इस पूरे मामले और वन विभाग से आने वाले जवाब पर लगातार अपनी पैनी नजर बनाए हुए है।

इन 5 बिंदुओं पर फंसा है पेंच, विभाग से मांगा जवाब

आवेदक द्वारा मझौली वन परिक्षेत्र के तहत आने वाली सभी बीटों में तैनात चौकीदारों के संबंध में सीधे तौर पर विभाग की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा करने वाले दस्तावेज मांगे गए हैं जिसमें कहा गया है कि क्या ये नियुक्तियां शासन के तय नियमों के तहत की गई हैं? मझौली क्षेत्र में कुल कितने चौकीदार/सहायक आधिकारिक रूप से स्वीकृत हैं और वर्तमान में कितने कार्यरत हैं? और इन कर्मचारियों को रखने के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई गई या बैकडोर एंट्री दी गई? इसके साथ ही इन चौकीदारों को किए जाने वाले भुगतान का रिकॉर्ड (मस्टर रोल/वाउचर) किस प्रकार मेंटेन किया जा रहा है? एवं स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि कागजों पर और जमीन पर कार्यरत कर्मचारियों की संख्या व भुगतान में विसंगतियां हो सकती हैं।

जमीन छू रहे हाई वोल्टेज तार, पेड़-पौधों के भरोसे टिकी बिजली सप्लाई

विद्युत विभाग की लापरवाही उजागर, शीघ्र सुधार की मांग

सिहोरा, नवभारत। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 (एनएच-30) पर जबलपुर-सिहोरा सड़क मार्ग के अंतर्गत कारीवाह के आगे बने हाईवे बायपास पर इस समय एक बड़ा हादसा होने का इंतजार किया जा रहा है।

पिछले महीने आए भीषण आंधी-तूफान के कारण हाईवे के किनारे लगे लोहे के तीन बड़े विद्युत पोल बुरी तरह झुक गए हैं। इसके चलते हाई वोल्टेज विद्युत लाइन पूरी तरह से जमीन पर लटक आई है, जिससे यहाँ से गुजरने वाले राहगीरों और स्थानीय लोगों की जान पर हर वक्त खतरा मंडरा रहा है।

पेड़-पौधों से बांधे गए करंट दौड़ते तार

हैरत और लापरवाही की पराकाष्ठा यह है कि विद्युत विभाग द्वारा इन टूटे और झुके हुए पोलों को ठीक करने के बजाय, जमीन पर लटकी बिजली की लाइनों को सड़क किनारे उगे छोटे-छोटे पेड़-पौधों से बांध दिया गया है। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि इन जमीनी स्तर पर लटके तारों में वर्तमान में भी विद्युत प्रवाह (करंट) चालू है, जो किसी भी समय एक बड़े हादसे का सबब बन सकता है।

हवा और बारिश से बढ़ सकता है खतरा

मौसम के बदलते मिजाज के बीच यदि तेज हवा चलती है या बारिश होती है, तो ये लटके हुए तार जमीन पर भरे पानी के संपर्क में आ सकते हैं। ऐसी स्थिति में पूरे इलाके में करंट फैलने का गंभीर खतरा पैदा हो जाएगा।

ग्रामीणों की मांग

स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों और जिला प्रशासन से मांग की है कि किसी बड़ी अनहोनी या जनहानि से पहले इन झुके हुए लोहे के पोलों को बदला जाए और तारों को व्यवस्थित कर सुरक्षित ऊंचाई पर किया जाए। ताकि संभावित किसी बड़ी दुर्घटना को समय पूर्व रोका जा सके।

मजदूर, किसान और मवेशी निशाने पर

सड़क के ठीक किनारे स्थित खेतों में इस समय किसान और कृषि मजदूर काम कर रहे हैं। इसके अलावा, इस ग्रामीण और हाईवे क्षेत्र में बड़ी संख्या में मवेशी (गाय-भैंस) भी चरते रहते हैं। जरा सी चूक या अनजाने में इन तारों के संपर्क में आने से मजदूर, किसान या मवेशी काल के गाल में समा सकते हैं।

वाहनों पर भी मंडरा रहा है संकट

हाईवे बायपास होने के कारण अक्सर सड़क की पटरी (किनारे) पर ट्रक, बस और अन्य वाहन खड़े होते हैं। यदि कोई वाहन अनजाने में इन झुके हुए पोल या लटके हुए तारों के संपर्क में आ जाता है, तो पूरी गाड़ी में करंट उतर सकता है, जिससे जान-माल का भारी नुकसान होना तय है।

पौधरोपण कर मनाया गया स्थापना दिवस

पनागर, नवभारत। म.प्र.जन अभियान परिषद विकासखण्ड पनागर द्वारा आज शासकीय कला महाविद्यालय पनागर में भारत महरोलिया विकासखंड समन्वयक मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद पनागर की उपस्थिति में 4 जुलाई मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद का स्थापना दिवस स्वैच्छिकता पर्व के रूप में मनाया गया जिसमें उपस्थित जनो को 4 जुलाई से 12 अगस्त तक स्वच्छता पखवाड़ा,पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता नशामुक्ति के रूप में कार्य करने के विषय में जानकारी दी गई एवं अधिक से अधिक पौधारोपण करने

का संदेश दिया गया। कार्यक्रम पश्चात महाविद्यालय प्रांगण में आम एवं पीपल के पौधों को सभी की उपस्थिति में लगाया गया।

कार्यक्रम में नवांकुर संस्था सेक्टर प्रभारी अजय पटेल, पारस दाहिया, मेंटर्स सुभम पटेल, मनोज प्रजापति, पार्वती लोधी, राजेश सोनी मयंक दुबे, दीपक दुबे, प्रहलाद पटेल, रोहित मिश्रा, रेवा राम, अंकित प्राची केवट, खुशी के साथ सभी छात्र, छात्राओं, समितियों के सदस्यों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न किया गया है।

बाघ के हमले में ग्रामीण चरवाहा हुआ घायल

मानपुर उपवन मंडल अंतर्गत खिचकिड़ी बीट की घटना

चिल्हारी नवभारत। जिले के बांधवगढ़ टाइगर के मानपुर उपवन मंडल अंतर्गत खिचकिड़ी बीट में गत दिवस बाघ के हमले मे एक ग्रामीण घायल हो गया। घायल की पहचान मोतीलाल यादवके रूप मे हुई है।

जानकारी के अनुसार मोतीलाल यादव पिता मुन्ना यादव 45 मवेशी चराने जंगल गये थे। इसी दौरान बाघ ने उन पर हमला कर दिया, जिससे उनकी गर्दन के पीछे पंजों से चोट आई। घटना के बाद वन विभाग की टीम ने तत्काल उन्हें शासकीय वाहन से उपचार के लिए शहडोल मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत फिलहाल नियंत्रण में है।

सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करें

वन विभाग ने क्षेत्र के ग्रामीणों और चरवाहों से अपील की है कि बाघ एवं अन्य हिंसक वन्यजीवों की मौजूदगी वाले क्षेत्रों में प्रवेश नहीं करें और सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करें।

भ्रष्टाचार
नियम को ताक पर रखकर अधिकारी कर रहे अपनी जेबें गरम

ग्राम पंचायत उमरिया में सरकारी खजाने की लूट

चिल्हारी नवभारत 5 जुलाई। जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत उमरिया बकेली इस समय भ्रष्टाचार का मॉडल बनी हुई है, क्योंकि यह ग्राम पंचायत चारों तरफ से जंगल वनांचल के बीच एक दम किनारे बसी है। इस ग्राम पंचायत में जनपद व जिला के अधिकारियों की नजर नहीं पड़ती। यहां विकास के नाम पर सरकारी खजाने की ऐसी लूट मची है कि नियम-कायदे रद्दी के टुकड़ों की तरह उड़ाए जा रहे हैं।

सरपंच, सचिव और उपयंत्री (इंजीनियर) की त्रिमूर्तियों ने मिलकर पंचायत को अपनी निजी जागीर बना लिया है, जहां गुणवत्ता से समझौता और योजनाओं में बंदरबांट अब आम बात हो गई है।

आदिवासियों को नहीं मिल रहा योजनाओं का लाभ

बता दें कि वनान्चल के बीच बसी यह ग्राम पंचायत में गरीब तबके के हरिजन आदिवासी मजदूर लोग निवासरत है। इन्हें शासन की महात्वाकांक्षी योजानाओं का लाभ नही दिया गया बल्कि अपने चहेतों के ऊपर सरपंच सचिव ने शासन के नियमों को ताक में रख कर शासन की सासकीय राशि का खूब जी भरके दोहन किया गया है

सीसी रोड नहीं, भ्रष्टाचार की बिछी है परत

पंचायत में निर्माणाधीन सीसी रोड सरकारी मापदंडों की धज्जियाँ उड़ा रही है। मौके पर स्थिति यह है कि न तो सडक की चौड़ाई तय मानकों के अनुसार है और न ही इसकी मोटाई। सबसे शर्मनाक पहलू यह है कि सड़क निर्माण में जिस रॉयल्टी वाली रेत का उपयोग होना चाहिए था, उसकी जगह तालाब की अवैध रेत खपा दी गई। सरपंच-सचिव ने अपनी जेबें भरने के लिए निर्माण की मजबूती को ही दांव पर लगा दिया है।

प्रशासनिक चुप्पी पर सवाल

जब इस भ्रष्टाचार के खेल पर सरपंच लोकेश कुशवाहा और सचिव मंगलेश्वर शुक्ला से पक्ष जानने की कोशिश की गई, तो उन्होंने फोन उठाना तक मुनासिब नहीं समझा। अफसरों और जन प्रतिनिधियों की यह चुप्पी मिलीभगत की ओर इशारा करती है।

आवास योजना में भी भारी धांधली

भ्रष्टाचार यहीं नहीं थमा, प्रधानमंत्री आवास योजना में भी भारी धांधली उजागर हुई है। सरपंच लोकेश कुशवाहा ने नियमों को ठेंगा दिखाते हुए अपने सगे भाई को ही आवास का लाभ दिलवा दिया, जबकि गाइडलाइन स्पष्ट कहती है कि जनप्रतिनिधि अपने परिजनों को लाभ नहीं दे सकते। गाँव के असली जरूरतमंद आज भी झोपड़ियों में रहने को विवश हैं और संपन्न लोगों को सरकारी मलाई खिलाई जा रही है।

विद्यालय के बाजू में लगा है कचरे का अंबार

ग्राम पंचायत उमरिया के अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

चिल्हारी नवभारत 5 जुलाई। मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरिया में जहां सरकार एक तरफ स्वच्छता को लेकर के स्वच्छ भारत अभियान चलाया जा रहा है सरकार करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, वही दूसरी ओर ग्राम पंचायत उमरिया (बकेली) विद्यालय के बाजू से ही नाडेप बना है, लेकिन वहां पूरी तरह से कचरा जमा है।

ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों की बात करें तो कुंभकरण की निद्रा में सोया हुए हैं, वहीं इसकी घोर निंदा ग्रामीणों ने की है और शासन प्रशासन से गुहार लगाई कि इस समय तरह तरह की बीमारियां फैल रही हैं, वहीं साफ सफाई को लेकर यह एक समस्या नहीं, पूरे पंचायत के अंदर देखा जाए तो हर जगह यही समस्या देखने को मिल रही है।

साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की मांग

ग्राम पंचायत उमरिया के ग्रामवासियों ने कहा कि शासन प्रशासन को इस विषय को संज्ञान में लेकर के साफ सफाई पर विशेष ध्यान रखे ताकि कोई ऐसी बीमारी न विद्यालय के बच्चों को व ग्रामवासियों को हो सके। अब देखना है कि प्रशासन कितने दिनों बाद सफाई की जिम्मेदारी उठाता हैं और कब तक समस्या का समाधान होता है।